समाप्ति से बहुत दूर

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

द हिन्दू

30 दिसम्बर, 2021

सीरिया के खिलाफ बार-बार हमले के साथ इजराइल फिर से अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और कानूनों का उल्लंघन कर रहा है।

सीरिया के लताकिया बंदरगाह पर मिसाइल हमला याद दिलाता है कि अरब देश में संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। यह सीरिया के सबसे व्यस्ततम बंदरगाहों में से एक, लताकिया पर कुछ हफ्तों के भीतर दूसरा हमला है, और दमिश्क ने दोनों मौकों पर इजराइल को दोषी ठहराया है। इजरायल के अधिकारियों ने आरोपों की न तो पुष्टि की है और न ही खारिज किया है, लेकिन यह एक सच्चाई है कि इजरायल ने हाल के वर्षों में सीरिया के अंदर हवाई और मिसाइल हमले किए हैं। दिसंबर की शुरुआत में लताकिया पर हमले के बाद, इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा, "हम दिन-रात क्षेत्र की बुरी ताकतों को पीछे धकेल रहे हैं।" बहुआयामी सीरियाई संकट पिछले कुछ वर्षों में विकसित हुआ है। रूस और ईरान की मदद से राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन ने अधिकांश विद्रोही समूहों को हरा दिया है और इदलिब को छोड़कर लगभग सभी खोए हुए क्षेत्रों पर कब्जा कर लिया है। लेकिन राष्ट्रपति असद की स्पष्ट जीत ने संघर्ष को समाप्त नहीं किया।

जब ईरान, जिसने राष्ट्रपति असद को लड़ाको और हथियारों की आपूर्ति की, ने देश में अपना प्रभाव बनाया, दशकों से सीरिया के गोलन हाइट्स पर काबिज रहे इजराइल ने इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरे के रूप में देखा। रूस, जिसका सीरिया में प्राथमिक ध्यान असद शासन के अस्तित्व और वहाँ तैनात अपने स्वयं के सैनिकों और संपत्तियों की सुरक्षा पर है, ईरान-इजराइल शीत युद्ध से काफी हद तक दूर रहा है। यह इजरायल को ईरानी और हिजबुल्लाह शिपमेंट को लक्षित करने के लिए सीरिया में स्वतंत्र कर देता है।

हालांकि इजरायल के दृष्टिकोण में दो प्रमुख समस्याएं हैं। एक, बार-बार हमले सीरिया की संप्रभुता का घोर उल्लंघन हैं। इजराइल, जिसने अपनी सुरक्षा नीतियों के मामले में अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और कानूनों को शायद ही बरकरार रखा है, एक और बुरी मिसाल कायम कर रहा है। दूसरा, गृहयुद्ध से तबाह सीरिया, इजरायल-ईरान संघर्ष में एक नए मोर्चे के रूप में उभर रहा है। हाल के वर्षों में, इजराइल ने कथित तौर पर ईरान के अंदर उग्रतापूर्ण की गतिविधियों को अंजाम दिया है और ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों की हत्या कर दी है। बदले में ईरान ने खाड़ी और भूमध्य सागर में इजराइल से जुड़े जहाजों पर हमला किया है और क्षेत्र में शिया विद्रोही समूहों को हथियारों की आपूर्ति बढ़ा दी है। लताकिया की घटना ऐसे समय में हुई है जब अंतरराष्ट्रीय शक्तियां 2018 के बाद ईरान परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने की कोशिश कर रही हैं। यदि ये प्रयास विफल हो जाते हैं और ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के साथ आगे बढ़ता है, तो इजरायल-ईरान सैन्य संघर्ष की संभावना बढ़ जाएगी।

इजराइल पहले ही कह चुका है कि ईरान को परमाणु सम्पन्न होने से "रोकने" के लिए सभी विकल्प मौजूद हैं। तो, पश्चिम एशिया की बड़ी शक्तियों के बीच इस खेल में सीरिया एक मोहरे की तरह प्रतीत होता है। गृहयुद्ध से कमजोर और अस्तित्व के लिए ईरान और रूस पर निर्भर, दमिश्क के पास राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों की कमी है। ऐसे में उसके पास दो ही विकल्प हैं या तो ईरान के प्रभाव को रोक सके या इजरायल के हमले को रोक सके।

सीरिया को सापेक्ष शांति देखने के लिए, इजराइल और ईरान के बीच तनाव में डायल-डाउन होना चाहिए। एक अच्छी शुरुआत परमाणु समझौते का पुनरुद्धार होगा।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. हाल ही में चर्चा में आया 'लताकिया बंदरगाह' किस देश मे अवस्थित है?

(क) सीरिया

(ख) जॉर्डन

(ग) ईराक

(घ) ईरान

Expected Question (Prelims Exams)

Q. In which country is the 'Latakia port' that came in the news recently?

(a) Syria

(b) Jordan

(c) Iraq

(d) Iran

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. इजरायल-ईरान संघर्ष का प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पूरे मध्य-पूर्व एशियाई क्षेत्र पर पड़ रहा है। ऐसे में इस क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए क्या विकल्प मौजूद हैं? चर्चा करें। (250 शब्द)

Q. Israel-Iran conflict is having direct and indirect impact on the entire Middle-East Asian region. So what are the options available to establish peace in this region? Discuss. (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।